भारत सरकार

पोत परिवहन मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1014 जिसका उत्तर

गुरूवार, 27 जून, 2019/6 आषाढ़, 1941 (शक) को दिया जाना है

नदियों पर क्रूज सेवाएं

1014. डॉ॰ सुकान्त मजूमदारः

श्री खगेन मुर्मुः

क्या पोत परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने हाल ही में वाराणसी में गंगा नदी पर और अन्य नदी तल में क्रूज सेवा शुरू की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने इस संबंध में सार्वजनिक और निजी क्षेत्र को शामिल किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार द्वारा चिह्नित नदी परिपथ का ब्यौरा क्या है और उनके प्रोत्साहन हेतु क्या प्रस्ताव दिये गए हैं;

(घ) देश में कोलकाता सहित विभिन्न बंदरगाहों पर नए क्रूज टर्मिनलों के निर्माण की वर्तमान स्थिति क्या है; और

(ङ) इस प्रयोजनार्थ आवंटित, जारी की गई और उपयोग की गई धनराशि की मात्रा कितनी है?

उत्तर

पोत परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री मनसुख मांडविया)

(क) : विभिन्न निजी कंपनियां राष्ट्रीय जलमार्ग-1 (गंगा), राष्ट्रीय जलमार्ग-2 (ब्रह्मपुत्र) और केरल के जलमार्गों में क्रूज जलयानों का संचालन कर रही हैं। मैसर्स नॉर्डिक क्रूज लाइन सर्विस प्रा.लि. ने अगस्त, 2018 में वाराणसी में क्रूज सेवा शुरू की है।

(ख) और (ग) : पिछले कुछ वर्षों से राष्ट्रीय जलमार्गों 1 व 2 पर नदी क्रूज / पर्यटन एक नियमित विशेषता रही है तथा भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आई डब्ल्यू ए आई) नदी क्रूज पर्यटन के विकास के लिए निजी कम्पनियों को नियुक्त करता है। विभिन्न कम्पनियां, नामतः मैसर्स हेरिटेज रिवर क्रूजेज इंडिया प्रा.लि., मैसर्स विवाडा इनलैंड वाटरवेज, मैसर्स असम बंगाल नैविगेशन कंपनी तथा मैसर्स नॉर्डिक क्रूज लाइन सर्विस प्रा.लि. रा.ज.-1 और सुंदरबन जलमार्गों पर अपने क्रूज जलयानों का संचालन करती हैं। मैसर्स असम बंगाल नैविगेशन कम्पनी और मैसर्स फार हॉरिजोन कंपनी रा.ज.-2 पर क्रूज जलयानों का संचालन करती है। रा.ज.-3 पर नदी पर्यटन पहले ही घरेलू और विदेशी पर्यटकों के बीच लोकप्रिय है। विदेशी और घरेलू पर्यटकों को ढ़ो रहे विभिन्न पर्यटक जलयान सर्दी में अक्तूबर-मार्च की अवधि के दौरान असम में काजीरंगा और धुबरी के बीच; गंगा में पटना/वाराणसी, कोलकाता और सुंदरबन के बीच नियमित रूप से तथा केरल के पश्चजल (बैकवाटर्स) में पूरे वर्ष संचालित होते हैं।

तटीय और प्रोटोकॉल मार्गों में यात्री और क्रूज सेवा पर भारत और बांग्लादेश के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) तथा मानक प्रचालन पद्धति (एसओपी) के तहत, दोनों देशों के निजी क्रूज प्रचालकों द्वारा मार्च-अप्रैल, 2019 में क्रूज सेवाओं की शुरूआत की गई।

(घ) और (ङ): पर्यटन मंत्रालय ने केंद्रीय एजेंसियों को सहायता प्रदान करने की अपनी योजनाओं के हिस्से के रूप में महापत्तनों में क्रूज टर्मिनलों और तत्संबंधी अवसंरचना के विकास के लिए परियोजनाओं को मंजूरी दी है। परियोजना की स्थिति, स्वीकृत और जारी धनराशि का ब्योरा अनुबंध में दिया गया है।

अनुबंध

केंद्रीय एजेंसियों को अवसंरचना विकास हेतु सहायता प्रदान करने की योजना के तहत क्रूज टर्मिनल के विकास / बर्थ के उन्नयन के लिए स्वीकृत परियोजनायें

(लाख रु. में)

कुल सं.	राज्य / वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत धनराशि	जारी धनराशि	स्थिति
1	तमिलनाडु 2012-2013	चेन्नई पत्तन, चेन्नई में क्रूज टर्मिनल भवन	1724.66	1724.66	पूरा हो गया है।
2	केरल 2012-2013	कोचिन पत्तन में समर्पित क्रूज बर्थिंग सुविधाओं का विकास	2243.32	2138.92	पूरा हो गया है।
3	गोवा 2014-2015	मुरगांव पत्तन, गोवा में क्रूज टर्मिनल भवन	879.04	767.187	पूरा हो गया है।
4	केरल 2016-2017	एर्नाकुल्लम वार्फ, केरल के बैकअप क्षेत्र और बर्थों का उन्नयन	2141.00	1070.50	कार्य प्रगति पर है।
5	केरल 2016-2017	विलिंगडन द्वीप, कोचिन में वॉकवे / प्रोमिनेड का विकास	901.00	720.30	कार्य प्रगति पर है।
6	महाराष्ट्र 2016-2017	मुंबई पत्तन न्यास के कानोजी अंगरे दीपघर का विकास	1500.00	1500.00	पूरा हो गया है।
7	महाराष्ट्र 2017-2018	इंदिरा डॉक, मुंबई में अंतर्राष्ट्रीय क्रूज टर्मिनल में उन्नयन / आधुनिकीकरण	1250.00	1000.00	कार्य प्रगति पर है।
8	गोवा 2018-2019	मुरगांव पत्तन, गोवा में आप्रवास सुविधा का सुधार और मौजूदा क्रूज बर्थ को गहरा करना	1316.40	658.20	कार्य प्रगति पर है।
9	केरल 2018-2019	कोचिन पत्तन क्रूज टर्मिनलों में अवसंरचना का विकास	120.79	60.39	कार्य प्रगति पर है।
10	केरल 2018-2019	कोचिन पत्तन में अतिरिक्त पर्यटन सुविधा तैयार करना	466.47	233.23	कार्य प्रगति पर है।
11	आंध्र प्रदेश 2018-2019	विशाखापत्तनम पत्तन के बाहरी बंदरगाह में चैनल बर्थ क्षेत्र में क्रूज - सह - तटीय कार्गो टर्मिनल का निर्माण	3850.00	1925.00	कार्य प्रगति पर है।

*****